एस आई पी या एकमुश्त-क्या बेहतर

यह एक ऐसा प्रश्न है जो वर्षों से चला आ रहा है। लेकिन इस प्रश्न का उत्तर देना इतना आसान नहीं जितना देखने से लगता है। सबसे पहले यह जान लेते हैं कि एस आई पी क्यूँ करें?

हममें से हर किसी के कुछ न कुछ फाइनेंशियल गोल होते हैं जो लघु, मध्यम और दीर्घावधि के हिसाब से निर्धारित किए जा सकते हैं। दीर्घावधि अथवा लंबे समय के गोल के लिए एस आई पी एक आसान और सुगम साधन है। एस आई पी के जरिए एक तो निवेशक अनुशासित हो ही जाते हैं और समय के साथ साथ उनको रूपी कॉस्ट एवरेजिंग और कंपाउन्डिंग का फायदा भी समझ आने लगता है। एस आई पी निवेश का एक आदर्श तरीका है और यदि हर वर्ष एस आई पी में निवेश की राशि बढ़ाते चलें तो सोने पे सुहागा। एस आई पी की राशि को समय और जरूरत के हिसाब से घटाया अथवा बढ़ाया भी जा सकता है। ईक्विटी म्यूचूअल फंड में एस आई पी लंबी अवधि के लिए एक बहुत ही कारगर उपाय है, जैसे उच्च शिक्षा के लिए अथवा रिटायरमेंट के लिए। यह न सिर्फ महंगाई की दर को हराता है बल्कि अन्य परंपरागत निवेश साधनों के मुकाबले अधिक रिटर्न भी देता है।

मध्यम अवधि के लिए, जैसे ४-६ वर्षों के लिए भी एस आई पी को चुना जा सकता है परंतु उसके लिए कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड अथवा बॉन्ड फंड में निवेश करना बेहतर होगा। यह विकल्प कार खरीदने, होम लोन चुकाने अथवा वेकेशन प्लैनिंग जैसे गोल के लिए भी चुना जा सकता है।

अब यदि एकमुश्त रकम को निवेश करने की बात हो तो सबसे पहले निवेश की समय सीमा निर्धारित करना बहुत आवश्यक है। मसलन यदि लघु अथवा मध्यम अवधि के बाद ही पैसे की आवश्यकता होनी है तब एकमुश्त रकम बॉन्ड फंड अथवा कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करने में कोई हर्ज नहीं। परंतु यदि निवेश लंबे समय के लिए अर्थात ८-१० वर्ष के लिए होना है तब बेहतर रिटर्न पाने के लिए एक बात देखनी यह ज़रूरी है कि बाजार का स्तर क्या है, उदाहरण के लिए यदि मार्च २०२० जैसी स्थिति हो तब तो एकमुश्त रकम भी निवेश की जा सकती है, लेकिन चूंकि जीवन की तरह ही निवेश भी संभावनाओं का ही खेल है, इसलिए बेहतर रिटर्न पाने की संभावना को बढ़ाने के लिए या कहें कि पॉजिटिव रिटर्न ज़ोन में रहने के लिए सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एस टी पी) का विकल्प भी चुना जा सकता है। एसटीपी भी एसआईपी की ही तरह काम करता है, इसमें एकमुश्त रकम लिक्विड फंड में निवेश की जा सकती है और एक निश्चित राशि एक निश्चित अंतराल पर ईक्विटी अथवा अपने पसंद के किसी भी फंड में ट्रांसफर की जा सकती है। एस टी पी में साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक विकल्प होते हैं और कई म्यूचूअल फंड कंपनियां डेली ट्रांसफर की सुविधा भी मुहैया कराती हैं।

इसलिए एस आई पी अथवा एकमुश्त कौन सा बेहतर है, इसमें पड़ने के बजाय निवेशक यदि अपने निवेश की कालावधी और अपने उद्देश्यों (गोल) के हिसाब से निवेश करें तो निवेशकों के लिए काफी आसान होगा। आम तौर पर एकमुश्त रकम का इस्तेमाल यदि लघु अथवा मध्यम अवधि के गोल के लिए किया जाए तो बेहतर और लंबी अवधि के गोल प्राप्त करने के लिए एस आई पी एक अत्यंत कारगर उपाय है।

निवेशकों को जागरूक करने के लिए एडलवाइज म्यूचुअल फंड की पहल.
सभी म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक बार केवाईसी प्रोसेस को पूरा करना होता है. निवेशकों को केवल रजिस्टर्ड म्यूचुअल फंड (आरएमएफ) के साथ डील करनी चाहिए.
केवाईसी, आरएमएफ से जुड़ी अधिक जानकारी और किसी भी तरह की शिकायत दर्ज कराने का प्रोसेस जानने के लिए विजिट करें: https://www.edelweissmf.com/kyc-norms

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है. कृपया निवेश करने से पहले सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.